RAMJAS COLLEGE

Ramjas College was founded in 1917 by Rai Kedar Nath, an eminent educationist and philanthropist in memory of his father, Lala Ramjas. This was one of the three colleges brought under the University of Delhi which was formed in 1922, apart from Hindu College and St. Stephens College. The college shifted to another area in 1924, now known as Anand Parbat where it was inaugurated by Mahatma Gandhi. However, the college had to cede its campus to Allied forces during the 2nd world war. Eventually, the college was relocated to its current location in 1960 and the present building was inaugurated by the first President of India Dr. Rajendra Prasad on January 17th 1951. This college has the distinction of having Dr. B. R. Ambedkar as the Chairman of its governing body. Through its vast and verdant campus the college provides undergraduate and postgraduate courses in the Arts, Science and Commerce streams.

The college has state of-the art infrastructure and highly acclaimed faculty trained at leading universities in India and abroad. Various opportunities are provided to help students enhance their knowledge and skills in areas that are important for their all-round development. Ramjas is the first college in Delhi University to conceptualize and implement an integrated network connecting all departments and disciplines. Every member of the Ramjas community has access to free internet service, library information system, and the student information system. To overcome linguistic and cultural barriers, Ramjas has incorporated new language courses through the School of Foreign and Indian Languages. Further, the college has distinguished itself in the International arena of education and research by initiating an academic exchange programme with premier Universities such as University of Copenhagen, University of Antwerp and Lahore University of Management Science, etc.

Ramjas College inaugurated a dedicated Research Centre with 'Basic Research' facilities for undergraduate students, particularly third year level students, and 'Advanced Research' facilities for Faculty.

As part of interventionist and pro-active initiative, the college has a Gender Forum and a Women's Development Cell (WDC), which promote awareness and educational programmes to empower students as educated and active citizens.

The college has a vast collection of books, with over 100,000 titles, in its library. The College has 21 academic societies, all of which remain pro-active throughout the year. It is mandatory for departments and academic societies of the College to organize talks/workshops/seminars/symposia/ screening of films, etc. in each term during the academic session.

The college has taken initiative in establishing four Centres of Excellence, viz. namely, (1) South Asia Centre, (2) Centre for Public Policy and Governance, (3) Centre for Media Convergence, (4) Centre for Multicultural Studies. Ramjas College is the first in South Asia to start a South Asian Students' Unity Movement with students of Economics from Pakistan, Bangladesh, Sri Lanka and Nepal and hosted the first conference in 2003.

'Centre for International education' was established in 2003 under which the College signed MoUs with Denmark International Study Programme, University of Copenhagen, Denmark, University of Antwerp, Belgium, and Lahore University of Management Science (LUMS) Pakistan.

A pioneering landmark initiative of the College was the inauguration of a Knowledge Centre which has been serving as a hub for knowledge exchange at various levels. It has been the nodal centre for additional and supplementary academics incursions, and has helped students explore their specialised creative forays into unexplored conceptualisations.

In order to extend financial support to students the College has introduced a scheme where students can 'work while studying'. The students are being engaged in the library and in data feeding sections of computers when required. The College also helps College students find part time jobs during the summer vacations. The Placement Cell helps students find employment in top corporations and organizations.

Department of Posts is pleased to release a Commemorative Postage Stamp on “Ramjas College” on its centenary.

Credits:-

Text	:	Based on the material received from proponent
Stamp / FDC/Brochure/ Cancellation Cachet	:	Smt. Nenu Gupta

भारतीय डाक विभाग
DEPARTMENT OF POSTS
INDIA



रामजस कॉलेज
RAMJAS COLLEGE

विवरणिका BROCHURE

रामजस कॉलेज

रामजस कॉलेज की स्थापना एक प्रसिद्ध शिक्षाविद एवं मानवतावादी राय केदारनाथ द्वारा अपने पिता लाला रामजस की स्मृति में 1917 में की गई थी। यह हिन्दू कॉलेज तथा सेंट स्टीफन कॉलेज के अलावा, उन तीन कॉलेज में से है जिन्हें 1922 में स्थापित दिल्ली विश्वविद्यालय के अधीन किया गया। इस कॉलेज को 1924 में दूसरे स्थान पर स्थानान्तरित किया गया, जो अब आनंद पर्वत के नाम से जाना जाता है, जहां इसका उद्घाटन महात्मा गांधी द्वारा किया गया। तथापि, द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, इस कॉलेज को अपना परिसर मित्र राष्ट्रों की सेनाओं को देना पड़ा। अंतत:, इस कॉलेज को 1960 में अपने वर्तमान स्थान पर स्थानान्तरित किया गया तथा इसके वर्तमान भवन का उद्घाटन 17 जनवरी, 1951 को भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद द्वारा किया गया। इस कॉलेज को अपने शासी निकाय के अध्यक्ष के पद को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर द्वारा सुशोभित किए जाने का गौरव प्राप्त है।

यह कॉलेज अपने विशाल एवं हरे-भरे परिसर के माध्यम से कला, विज्ञान तथा वाणिज्य विषयों में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों का संचालन करता है। कॉलेज में अत्याधुनिक ढांचागत बुनियादी सुविधाएं तथा अत्यधिक प्रशंसित प्राध्यापक वर्ग है, जोकि भारत और विदेशों के अग्रणी विश्वविद्यालयों के द्वारा प्रशिक्षित है। विद्यार्थियों की सहायता के लिए विभिन्न अवसर प्रदान किए जाते हैं ताकि वे विभिन्न क्षेत्रों में अपने ज्ञान तथा कौशल में वृद्धि कर सकें, जोकि उनके समग्र विकास के लिए महत्वपूर्ण है। रामजस कॉलेज दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला ऐसा कॉलेज है, जिसने एक समेकित नेटवर्क की संकल्पना की तथा उसे कार्यान्वित किया जो सभी विभागों और संकायों को परस्पर जोड़ता है। रामजस कम्युनिटी के सभी सदस्यों के लिए इंटरनेट सेवा, पुस्तकालय सूचना प्रणाली तथा विद्यार्थी सूचना प्रणाली नि:शुल्क उपलब्ध है। भाषायी तथा सांस्कृतिक अवरोधों को पार करने के उद्देश्य से रामजस कॉलेज ने स्कूल ऑफ फॉरेन एंड इंडियन लैंगवेजेज के माध्यम से नए भाषा पाठ्यक्रमों को समाविष्ट किया है। इसके अलावा, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, ऐन्टवर्प विश्वविद्यालय तथा लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंस, इत्यादि जैसे प्रमुख विश्वविद्यालयों के साथ शैक्षणिक आदान-प्रदान के कार्यक्रमों की शुरूआत करके शिक्षा और अनुसंधान के अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस कॉलेज ने अपना एक विशिष्ट स्थान बनाया है।

रामजस कॉलेज ने पूर्व स्नातक विद्यार्थियों के लिए, विशेष रूप से तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए, अनुसंधान की बुनियादी सुविधाओं से युक्त एक अनुसंधान केन्द्र तथा प्राध्यापक वर्ग के लिए उन्नत अनुसंधान संबंधी सुविधाओं का शुभारंभ किया है।

अंत:क्षेप तथा सक्रिय पहल के भाग के रूप में इस कॉलेज में जेंडर फोरम तथा एक महिला विकास प्रकोष्ठ (डब्ल्यूडीसी) हैं, जो विद्यार्थियों को शिक्षित तथा जागरूक नागरिक बनाने के लिए जागरूकता तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों को बढ़ावा देते हैं।

कॉलेज के अपने पुस्तकालय में 100000 से अधिक पुस्तकों का विशाल संग्रह है। कॉलेज में 21 शैक्षणिक सोसायटियां हैं। ये सभी वर्षभर सक्रिय रहती हैं। कॉलेज के विभागों तथा शैक्षणिक सोसायटियों के लिए यह अनिवार्य है कि वे शिक्षण सत्र के दौरान प्रत्येक अवधि में वार्ताओं / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों / परिसंवादों तथा फिल्मों की स्क्रीनिंग इत्यादि का आयोजन कराएं।

कॉलेज ने चार उत्कृष्टता केन्द्रों नामत: (1) साऊथ एशिया केन्द्र (2) सेंटर फॉर पब्लिक पॉलिसी तथा गवर्नेंस, (3) सेंटर फॉर मीडिया कन्वर्जेंस (4) सेंटर फॉर मल्टीकल्चरल स्ट्डीज की स्थापना की पहल की है। रामजस कॉलेज दक्षिण एशिया में पहला ऐसा कॉलेज है, जिसने दक्षिण एशियाई छात्र एकता आंदोलन की शुरूआत की है जिसमें पाकिस्तान, बंगलादेश, श्रीलंका तथा नेपाल के अर्थशास्त्र के छात्रों को शामिल किया गया है तथा वर्ष 2003 में कॉलेज ने प्रथम सम्मेलन की मेजबानी की है।

वर्ष 2003 में अंतरराष्ट्रीय शिक्षा केन्द्र की स्थापना की गई, जिसके तहत कॉलेज ने डेनमार्क अंतरराष्ट्रीय अध्ययन कार्यक्रम, कोपेनहेगन विश्वविद्यालय, डेनमार्क, एन्टेवर्प विश्वविद्यालय, बेल्जियम तथा लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंस (एलयूएमएस) पाकिस्तान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस कॉलेज द्वारा की गई एक विशिष्ट पहल, ज्ञान केन्द्र की शुरूआत करना थी, जो विभिन्न स्तरों पर ज्ञान के आदान-प्रदान के लिए केन्द्र के रूप में सेवा प्रदान कर रहा है। यह अतिरिक्त तथा संपूरक शैक्षिक दौरों के लिए नोडल केन्द्र के रूप में कार्य कर रहा है और यह विद्यार्थियों को उनकी कल्पनाशील सृजनात्मकता को अभिव्यक्ति प्रदान करने में सहायता देता है।

विद्यार्थियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए इस कॉलेज ने एक स्कीम की शुरूआत की है जहां पर विद्यार्थी ''अध्ययन के दौरान कार्य'' कर सकते हैं। जरूरत पड़ने पर, विद्यार्थियों को पुस्तकालय में तथा कंप्यूटरों के डाटा फीडिंग सेक्शनों के कार्यों में संलग्न किया जा रहा है। गर्मियों की छुट्टियों के दौरान यह कॉलेज अपने विद्यार्थियों को अंशकालिक रोजगार ढूंढने में भी सहायता करता है। प्लेसमेंट सेल अग्रणी निगमों तथा संगठनों में रोजगार प्राप्त करने में सहायता करता है।

डाक विभाग, ''रामजस कॉलेज'' की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्मारक डाक-टिकट जारी करते हुए प्रसन्नता का अनुभव करता है।

आभार:-

मूलपाठ	:	प्रस्तावक द्वारा उपलब्ध कराई गई सामग्री पर आधारित
डाक टिकट/प्रथम दिवस आवरण/ विवरणिका/विरूपण	:	श्रीमती नीनू गुप्ता

भारतीय डाक
India Post

तकनीकी आंकड़े
TECHNICAL DATA

मूल्यवर्ग	:	500 पैसा
Denomination	:	500 p
मुद्रित डाक टिकटें	:	406590
Stamps Printed	:	406590
मुद्रण प्रक्रिया	:	वेट ऑफसेट
Printing Process	:	Wet Offset
मुद्रक	:	प्रतिभूति मुद्रणालय, हैदराबाद
Printer	:	Security Printing Press, Hyderabad

The above philatelic items are available for sale at http://www.epostoffice.gov.in/PHILATELY_3D.html

© डाक विभाग, भारत सरकार। डाक-टिकट, प्रथम दिवस आवरण तथा सूचना विवरणिका के संबंध में सर्वाधिकार विभाग के पास है।

© Department of Posts, Government of India. All rights with respect to the stamp, first day cover and information brochure rest with the Department.

मूल्य ₹ 5.00